Jagran
An educational initiative of
दैनिक जागरण

JIMMC न्यूज़
सिर्फ सच्ची खबरों से सरोकार
fb/jimmc jimmc@gmail.com
नोएडा , शनिवार 13 जनवरी 2018

JAGRAN INSTITUTE OF MANAGEMENT AND MASS COMMUNICATION

www.jimmc.com

किताबों की ओर बढ़ रही है लोगों की रुचि

पूनम सिंह, नई दिल्ली

आज के डिजिटल दौर में लोगों का किताबों के प्रति दिलचस्पी कतई कम नहीं हुई है। कंप्यूटर और मोबाईल के बावजूद लोगों में किताबों का क्रेज बरकरार है। प्रगति मैदान में चल रहें आठ दिवसीय विश्व पुस्तक मेला इस बात का गवाह है।

विश्व पुस्तक मेला

मेले में तीन दर्जन से भी अधिक प्रकाशकों के लगभग 1500 बुक स्टॉल लगे हैं। पुस्तक मेले का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट और भारत व्यापार संवर्धन संगठन(आईटीपीओ) ने किया। इस बार मेले में 800 से अधिक प्रकाशक हिस्सा ले रहे हैं जिसमें 40 विदेशी प्रकाशक भी शामिल हैं। जिसमें यूरोपीय संघ को सम्मानित अतिथि बनाया गया है। इस बार मेले की थीम पर्यावरण पर आधारित है। पुस्तक मेंले में हर आयु और तबके के लिये पुस्तकें उपलब्ध है।

राजकमल प्रकाशन, वाणी प्रकाशन के स्टॉल पर हिंदी कविता,कहानी,उपन्यास,इतिहास,

विश्व पुस्तक मेले में उमड़ी युवाओं की भीड़ ।

- यूरोपीय संघ को बनाया गया सम्मानित अतिथि
- मेले में हर आयु और तबके के लिये पुस्तकें उपलब्ध

आत्मकथा,यात्रा-वृत्तांत, संस्मरण खरीदने वाले पुस्तक प्रेमियों की भीड़ दिखी तो प्रभात प्रकाशन के स्टॉल पर प्रधानमंत्री की किताबें देखते खरीदते लोग नज़र आये।

एनबीटी के स्टाल पर भी युवको की भारी भीड़ नज़र आयी। यहां पर आर्या पब्लिकेशन, डायमडं पॉकेट बुक्स, गीता प्रेस गोरखपुर, किताबघर प्रकाशन, सेज प्रकाशन और कई अन्य स्टॉल पर पाठकों का जमावड़ा देखने को मिला। राजकमलप्रकाशन ने हमें बातचीत के बताया कि पाठकों को उपन्यास और कहानी से संबधित पुस्तकें ज्यादा भा रही हैं। वहीं अग्रेंजी पुस्तकों मे पेंग्विन के स्टॉल पर पाठकों की सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिली।पिछले कुछ सालों से भारत- पाकिस्तान के रिश्तों मे आई तल्खी के चलते केवल एक ही पाकिस्तानी प्रकाशक मेले में शिरकत कर पाया। चिल्ड्रन पब्लिकेशन नाम के इस स्टॉल को उनके भारतीय वितरक ही संभाल रहें हैं।

प्रकाशक बोले:

युवाओं को विषय केंद्रित किताबें अधिक भा रही हैं जैसे किसी खास विषय पर केंद्रित कहानी, उपन्यास या आलोचना की किताब। लोगों के पास समय की कमी है इसलिए वे अपना कीमती वक्त अपने पसंदीदा अखबारों को दे रहे हैं।

अरूण माहेश्वरी, वाणी प्रकाशन

मौजूदा समय में लोगों में पढ़ने का रुझान तेजी से बढ़ा है। इंटरनेट के आने के बाद अपनी पसंद की पुस्तकों को खोजना आसान हो गया है। युवाओं को भाषा एवं भावबोध वाली किताबें अधिक पसंद आ रही हैं। इसलिए प्रकाशक किताबों की प्रस्तुति पर अधिक ध्यान दे रहे हैं।

अशोक माहेश्वरी,राजकमल प्रकाशन

युवाओं को लुभा रहे हैं धार्मिक ग्रंथ

परमबीर सिंह, नई दिल्ली

- बच्चों के लिए धार्मिक कहानियों की किताबें खरीद रहे हैं लोग
- वेदों के अलावा महाभारत और गीता के लिए भी दिखा रुझान

पुस्तक मेले में धार्मिक किताबों से संबंधित 20 से ज्यादा स्टॉल लगाए गए हैं जहां पुस्तक प्रेमियों के लिए मोक्ष, मानसिक शांति एवं अध्यात्म से जुड़ी ढेरों किताबें रखी हैं। धार्मिक पुस्तकों के लिए खासकर गीता प्रेस के स्टॉल पर ज्यादा भीड़ दिखाई दी।

गीता प्रेस के एक विक्रेता ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार पुस्तक प्रेमियों में धार्मिक पुस्तकों को ले कर ज्यादा उत्साह देखने को मिल रहा है। युवा वर्ग "गीता" के तरफ काफी आकर्षित हो रहा है। लोग अपने बच्चों के लिए धार्मिक कहानियों की छोटी-छोटी किताबे ज्यादा खरीद रहे हैं ।

उन्होंने बताया कि कहानियों के मार्फ़त माता-पिता बच्चो को भारतीय संस्कृति से परिचित कराना चाहते हैं। मेले में राम मोहन प्रसाद ने कहा कि आज के समय में बच्चों को संस्कृति का ज्ञान देना बहुत जरुरी है। किताबों के जरिए ही बच्चे भारतीय संस्कृति, इतिहास और धर्म के बारे में अच्छी तरह से जान पाएंगे।

एक युवा पुस्तक प्रेमी ने कहा,अपने प्राचीन ग्रंथों को भूलते जा रहे हैं, तभी तथाकथित संतों के चंगुल में फंस रहे हैं। वहीं मेले में धार्मिक स्टॉल पर लोगों की रुचि वैदिक ग्रन्थों में बखूबी दिखी। चारों वेदों के अलावा महाभारत और गीता की मांग दिखाई दी।

मोदी पर किताबें बेशुमार पर नहीं हैं खरीददार

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी की किताब का स्टॉल ।

संजय झा, नई दिल्ली

- स्वच्छता अभियान से संबंधित किताबें भी हैं मौजूद
- सेल्फी के लिए स्टॉल पर उमड़ रही है भीड़

दिल्ली के प्रगति मैदान के हॉल न.12 में प्रभात पब्लिकेशन के स्टॉल पर भारी भीड़ इकट्ठी हो रही है वजह, यहां प्रधान मंत्री मोदी से जुड़ी कई सारी पुस्तकें मौजूद हैं। जिनमें प्रधानमंत्री की जीवनी के अलावा स्वच्छता अभियान और मन की बात कार्यक्रम से संबंधित किताबें हैं। इस स्टॉल पर लोगों की भीड़ जुट रही है। लोग किताबों को उलटते-पलटते हैं पर खरीदते नहीं है। खरीदने के बजाय सेल्फी लेते हैं। लोग प्रधान मंत्री मोदी न सही मोदी जी की किताबों के साथ सेल्फी ले सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। मेला घूमने वालों का यह नया शगल बन गया है।

पाठकों को भी करनी होगी पर्यावरण की फिक्र

धर्मेन्द्र सिंह, नई दिल्ली

- पर्यावरण पर केंद्रित लघु नाटक का किया गया मंचन
- पर्यावरण से जुड़ी लगभग 500 से अधिक पुस्तकें उप्लब्ध

प्रगति मैदान में आयोजित पुस्तक मेले में पुस्तक प्रेमियों की भारी भीड़ लगातार देखने को मिल रही है। जलवायु परिर्वतन पर लोगों को जागरूक करने के लिए इस बार मेले की थीम'पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन' रखा गया है। पर्यावरण पर दुनिया भर से प्रकाशित 500 से अधिक श्रेष्ठ पुस्तकें मेले में उप्लब्ध हैं।

पर्यावरण पर केंद्रित थीम मंडप में आयोजित गोष्ठी में गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष कुमार प्रशांत ने अनुपम मिश्र को याद करते हुए कहा कि अनुपम जी की 'आज भी खरे है तालाब' पर्यावरण पर अबतक लिखी गई कुछ सर्वोत्तम पुस्तकों में से एक है। आज भी इस तरह की बेहतरीन पुस्तकों का इंतज़ार है। श्री मिश्र

थीम मंडप में रखीं पर्यावरण से संबन्धित किताबें ।

के सहयोगी व गांधी मार्ग पत्रिका से सम्बद्ध मनोज झा ने कहा कि पर्यावरण को इंसान के व्यवहार से जोड़ना जरुरी है। अनुपम मिश्र पर राज्यसभा टेलीविजन की ओर से फिल्म का प्रदर्शन किया गया। थीम मंडप में पर्यावरण पर केंद्रित लघु नाटक'जीवन हमारा, जिम्मेदारी हमारी' का मंचन किया गया। थीम मंडप हॉल संख्या 7 यजुर्वेद से लिए गए सूक्त कथन 'वनस्पतयः शांतिः' के सूत्र वचन को प्रदर्शित करते हुए एक अलग प्रकार का अहसास देता है। मंडप बांस, जूट, भूसी, गत्ते के कार्ड बोर्ड, घुलनशील डिजिटल प्रिंट, पेपर मैशे, पर्यावरण-हितैषी रंग आदि से बनाया गया है। मंडप के गेट पर खडा ई-रिक्शा और मंडप के भीतर हर ओर फैला हरा रंग प्रकति प्रेम को प्रदर्शित करता है।

मेले में लगा रहा साहित्यकारों का जमावड़ा

कविता रावत, नई दिल्ली

दिल्ली की सर्द हवाओं के बीच शुरु हुआ विश्व पुस्तक मेला समापन की ओर बढ़ रहा है। पुस्तक प्रेमियों के भारी जमावड़े के साथ ही वरिष्ठ साहित्यकारों की मौजूदगी ने मेले में चार चाँद लगाए। बुधवार को वरिष्ठ साहित्यकार नामवर सिंह ने अपनी पुस्तक 'उलुआ बुलुआ और मैं' का विमोचन किया। जिसकी हस्ताक्षर प्रतिलिपि उन्होनें पाठकों को भेंट की। नामवर सिंह की उपस्थिति मेले में रचनाकारों और प्रकाशकों के लिए सुखद और विस्मयकारी थी।

नए रचनाकारों के बीच नामवर सिंह से पुस्तक का लोकापर्ण कराने की होड़ लग गई। यथासंभव नामवर सिंह ने भी अनेक पुस्तकों का लोकापर्ण किया।

सामयिक प्रकाशन के स्टॉल पर वरिष्ठ साहित्यकार चित्रा मुद्गल ने लेखिका आकांक्षा पारे प्रकाश की पुस्तक 'बहत्तरधड़कनें तेहत्तर अरमान' तथा योगिता यादव की पुस्तक 'ख्वाहिशों का खांडववन' का लोकापर्ण किया।

पुस्तक विमोचन के दौरान लोगों से मुखातिब होते अरुण आनंद , मुकेश केजरीवाल और पीयूष कुमार ।

साहित्यकार मुदगल ने कहा कि अकांक्षा और योगिता साहित्य की दुनिया में एक अलग रंगमंच बना रहीं हैं । वे दोनों प्रेमचंद्र की विरासत को आगे बढ़ा रहीं हैं और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहीं हैं। उन्होनें कहा कि आशा है कि हिंदी पाठकों को यह पुस्तक पसंद आएगी।

पत्रकार से लेखक बनी गीताश्री ने अपनी पुस्तक हसीनाबाद का प्रचार किया। उन्होनें कहा कि देश के कोने-कोने में अदृश्य पाठक व लेखक मौजूद है जिन्हें मैं मेले में ढूढ रही हूँ। डीयू में संस्कृत की शिक्षिका कौशल पवार भी अपनी

खास खबर

पहली पुस्तक जोहड़ी के प्रचार करने पँहुची। उन्होनें कहा कि समाज में एक ऐसा तबका भी मौजूद है जो साहित्य की

- नामवर सिंह ने किया नए लेखकों की किताबों का लोकार्पण
- चित्रा मुद्गल ने किया आकांक्षा पारे की पुस्तक का विमोचन

धारा से कोसों दूर है। मेले के तीसरे दिन पत्रकार से लेखक बने अरुण आनंद के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित "बॉडी ऑर्गन डोनेशन" पुस्तक का विमोचन किया गया।

आरजे सायमा ने शायर उजैर ई रहमान की किताब यादों के आइने में से गजले व नज्में सुनाकर मेले में शायरी का रंग घोल दिया। मशहूर गजलकार मुन्नवर राणा, वसीम बरेलवी जैसे दिग्गजोंकी मौजूदगी में मेले की रौनक को चार चांद लगाए।

Books popular among students at this year's World Book Fair

Siddharth Urmil,New Delhi

- Dalit Dastak also have its stall
- Sage and Motilal Banarasidass also made their presence in Hindi

Hindi book publishers have their stalls at Hall number 12-12A. Directorate of Hindi Medium Implementation, Delhi University, and SamvaadPrakashan aresome of the popular stalls among students and researchers.When asked, manager of theDirectorate of Hindi Medium Implementation, Delhi University Stall,Shashikant Sharma said "students are coming in large number to get books of History, Political Science, Sociology and Literature." Academic publications such as Motilal Banarasidass and Sage also made their presence felt at Hall 12- 12A.SamvaadPrakasan haveHindi translations of famous books and authors on History, Western world, World Literature, Cinema, Art, Gender Role, Novels, Poetry, etc. Hindi translation of Eric Hobsbawm's Age of Extremes, Age of Capital, Leo Tolstoy's Anna Karenina, War and Peace, are also available. "We have translation of famous world literature,our sales are good,"said Alok Srivastav, manager at SamvaadPrakasan said. Dalit Dastak, an organisation committed for the cause of Dalit upliftment and empowerment, also have a stall. Their magazine 'Dalit Dastak' is on display. Its editor Ashok Das said, "We are also bringing out some books and booklets very soon."

मेले में किताबें सस्ती खाना महंगा

कल्पना बघेल, नई दिल्ली

- फूड स्टॉल पर फास्ट फूड की हर वैरायटी मौजूद
- जी.एस.टी की वजह से कीमत मे उछाल

दिल्ली के प्रगति मैदान के विश्व पुस्तक मेले में पाठक पुस्तक पंडाल में घूमते-घूमते थकान से चूर हो गए तो वे फूड स्टॉल की ओर चल पड़े।

अरे ये क्या? यहां पुस्तकों के दाम से ज्यादा खाने का दाम है....उसने फूड स्टॉल को छोड़ बाहर का रास्ता लिया। बाहर खाने- पीने के शौक़ीन युवक-युवतियों का मेले में हुजूम मंडरा रहा था पर फूड स्टॉल से भीड़ लगभग नदारद थी।

जब कि फूड स्टॉल पर फास्ट फूड की हर वैरायटी मौजूद थी।

फास्ड फूड विक्रेता से बात करने पर उसने बताया की पुस्तक मेले में स्टॉल लगाने के लिए भरी राशि देनी पड़ती है।

फिर उपर से जी.एस.टी लगाकर खाने की कीमत और ज्यादा हो जाती है, और हमें मुनाफा भी निकालना होता है। एसे में मेले में इस बार बिक्री कम हो रही है।

मेले में आये एक छात्र अमन ने बताया की फूड स्टॉल में छोले-भठूरे की कीमत 150 रुपये है। अगर मैं छोले-भठूरे खा लूगा तो अपनी पसंदीदा 'हैरी पॉटर' की किताब कैसे खरीदूगां?

The world book fair is a 'Green Affair'

Divya Bishi, New Delhi

- Over 800 publishers
- Penguin attraction: Ruskin Bond, Amitav Gosh, Sudha Murty

26th World Book Fair, 6-14th January, was inaugurated on 6th January 2018, by Madhu Ranjan Kumar, Joint Secretary, Human Resource Development, environmentalists Sunita Narian,European Union ambassador to India Tomasz Kozlowski and NBT chairman Baldev Bhai Sharma.

Over 800 publishers are participating in the 9 days event. Authors corners, panel discussions, documentaries and presentations are the major attractions.

Some of the issues like global warming, industrial pollution, renewable energy are the most

Pavillion turns green to create awarness on climate change

popular theme of the event.

Organized by National Book Trust in association with ITPO (India Trade Promotion Organisation), the event is being hosted by partner country European Union. The theme for this year's event is "Environment and Climate Change".

More than 5000 books in various languages are being displayed here. Pradeep Mohanty, a book enthusiast said "the fairs (book fairs in general) have turned into book discussion platforms."He further added: "Readers are feeling privileged as many of them are getting a chance to have in person conversations with their favorite authors. The layout as well as the space this year is relatively better compared to last few years".

"Green Signals" by Jairam Ramesh is the main attraction in the main theme pavilion, Hall 7

Ruskin Bond, Amitav Gosh's, "Flood of Fire", Sudha Murty's "The mother I never knew" are the most preferred among Penguin books lovers.

संपादक और पृष्ठ सज्जा - तनिष्क सिंह तोमर, हिन्दी संवाददाता- पूनम सिंह , परमवीर सिंह , कविता रावत, धर्मेन्द्र सिंह , संजय झा, कल्पना बघेल, English correspondent- Divya Bishi, Siddharth Urmil, मेंटर - राजीव सिंह और सिंधु झा